कनाडा और अमरीका में पढ़ सकेंगे एपीजे आई.एम.ई.टी.सी. के स्टूडैंट्स : डा. राजेश बग्गा

● एपीजे इंस्टीच्यूट ऑफ मैनेजमैंट एंड इंजीनियरिंग टैक्नीकल कैंपस ने स्टूडैंट्स के लिए पेश किए नए कोर्स

जालंधर, 31 जुलाई (रोहित सिद्धू) : एपीजे इंस्टीच्यूट ऑफ मैनेजमैंट एंड इंजीनियरिंग टैक्नीकल कैंपस राय मंडी लिद्दा जालंधर में एक जाने-माने नाम है। जहां पर विद्यार्थियों को न केवल अकादमिक पर काम कराया जाता है, बल्कि उनकी स्किल डिवैलपमैंट को प्राथमिकता दी जाती है जिससे कि वो इंडस्ट्री रेडी बन सकें।

● बी.टैक. सी.एस.ई. (आर्टिफिशियल इंटेलीजैंस एंड मशीन लर्निंग) और बी.टैक. सी.एस.ई. (इंटरनैट ऑफ थिंग्स एंड साइबर सिक्योरिटी इन्क्लूडिंग ब्लॉकचैन टैक्नोलॉजी)

● स्टूडैंट्स को मिलेगी अच्छी प्लेसमैंट, कार्पोरेट वर्ल्ड में छाप छोड़ सकेंगे स्टूडैंट्स

डायरैक्टर डा. राजेश बग्गा

ए.आई.एम.ई.टी.सी. के डायरैक्टर राजेश बग्गा ने बताया कि आज के इस टैक्नोलॉजी डिजिटल युग में जहां पर हम टैक्नोलॉजी के बिना खुद को असहाय महसूस करते हैं, ए.आई.एम.ई.टी.सी. ने विद्यार्थियों के लिए नए कोर्स शुरू किए हैं। जोकि उन्हें आने वाले समय में सफलतापूर्वक कार्पोरेट वर्ल्ड में अपनी छाप छोड़ने में मददगार साबित होंगे।

डायरैक्टर डा. राजेश बग्गा ने बी.टैक. के संदर्भ में जानकारी देते हुए नए कोर्स के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बी.टैक. सी.एस.ई. में नई स्पैशलाइजेशन को 2020 में इंट्रोड्यूस किया गया है। ए.आई.एम.ई.टी.सी. पंजाब के उन कुछ चुनिंदा संस्थानों में से एक है, जो कि ये कोर्स ऑफर कर रहे हैं। बी.टैक. सी.एस.ई. (आर्टिफिशियल इंटेलीजैंस एंड मशीन लर्निंग) और बी.टैक सी.एस.ई. (इंटरनैट ऑफ थिंग्स एंड साइबर सिक्योरिटी इन्क्लूडिंग ब्लॉकचैन टैक्नोलॉजी) दोनों स्पैशलाइजेशन में यूनिवर्सिटी में 60प्रतिशत का इंटैक अधूरा किया है। इन कोर्स को दुरुस्तीकरण को एनेबलिंग करते हुए डा. बग्गा ने बताया कि आई.ओ.टी.-इंटरनैट ऑफ थिंग्स जैसी स्पैशलाइजेशन को और करके छात्र खुद को इतना सक्षम बना लेंगे कि आने वाले समय में वो विभिन्न इंडस्ट्रीज में अपने कैरियर की शुरुआत करके एक अच्छे स्तर पर खुद को स्थापित करेंगे।

आई.ओ.टी. और आर्टिफिशियल इंटेलीजैंस छात्रों को स्मार्ट सिक्योरिटी सोल्यूशन स्मार्ट सिटीज और स्मार्ट होम आटोमेशन और स्मार्ट हैल्थ केयर जैसे इंडस्ट्रीज में नौकरी दिलवाने में सहायक होंगे। साइबर सिक्योरिटी छात्रों को साइबर सिक्योरिटी टैक्नीक सिखाएंगे जोकि उनको वैयक्तिक इंफोर्मेशन को अनऑथोराइजड आर्मी से बचाएंगी। जबकि सैन डिवैलप छात्रों को अलग-अलग एप्लीकेशन जैसे कि डैवेलप, इन्फोर्स, रिटेल और हैल्थकेयर सैक्टर में कैरियर शुरू करने में यह टैक्नोलॉजी बहुत मददगार साबित होगी।

बी.बी.ए. : दो साल कनाडा में होगी स्टडी : बैचलर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन (बी.सी.ए.) की जानकारी देते हुए डा. बग्गा ने नए कोर्स बी.सी.आई.एस.-बैचलर ऑफ कम्प्यूटर इंफोर्मेशन सिस्टम के बारे में बताया। बी.सी.आई.एस. (अंडर 2+2 प्रोग्राम)- एक ऐसा कोर्स है जोकि यूनिवर्सिटी ऑफ फ्रैसरवैली कनाडा अंडर चार-ये प्रोग्राम ऑफ आई.के.जी.पी.टी.यू. कपूरथला से संबंधित है। इस कोर्स का एलीजिबिलिटी क्राइटेरिया -10वीं और 12वीं में 65 फीसदी नंबर मैरिट के साथ चाहिए। इस कोर्स में दाखिला लेने वाले छात्रों को दो साल ए.आई.एम.ई.टी.सी. और दो साल यूनिवर्सिटी ऑफ फ्रैसरवैली कनाडा में पढ़ने का मौका मिलेगा।

ए.आई.एम.ई.टी.सी. ने इस कोर्स का चयन उन विद्यार्थियों की रुचि को ध्यान में रखते हुए किया है जोकि कनाडा जाकर पढ़ने की इच्छा रखते हैं। इसी प्रकार ए.आई.एम.ई.टी.सी. ने छात्रों के लिए विदेश में करियर ऑपर्चुनिटी देखते हुए एक और नए कोर्स बी.बी.ए. (2+2) बैचलर इन बिजनैस एडमिनिस्ट्रेशन फ्रासरवैली यूनिवर्सिटी कनाडा अंडर चार-ये प्रोग्राम के साथ शुरू किया है। छात्र दो साल एपीजे और दो साल यूनिवर्सिटी कनाडा में पढ़ेंगे।

राय मंडी लिद्दा एपीजे ए.आई.एम.ई.टी.सी. की बिल्डिंग।

पोस्ट सैकेंडरी : अमरीका में एम.बी.ए. का मौका

पोस्ट सैकेंडरी में नए कोर्स की जानकारी देते हुए डा. बग्गा ने बताया कि रैगुलर एम.बी.ए. के साथ-साथ एक नया कोर्स 1+1 एम.बी.ए. प्रोग्राम भी शुरू किया जा रहा है। जोकि नॉर्थन केंटुकी यूनिवर्सिटी यू.एस.ए. के साथ एसोसिएटेड है। ए.आई.एम.ई.सी.टी. के लिए एक बहुत बड़ी उपलब्धि है क्योंकि वह पूरे भारत में सिर्फ 3 इंस्टीच्यूट्स में से है। जो इस कोर्स को ऑफर कर रहे हैं। एपीजे इंस्टीच्यूट उनमें से एक है। 1+1 एम.बी.ए. प्रोग्राम के तहत छात्र एक साल एपीजे और एक साल यू.एस.ए. में पढ़ेंगे। ये ए.ए.सी.एस.बी. एक्रीडेटिड एम.बी.ए. प्रोग्राम विद्यार्थियों के लिए बहुत बढ़िया प्लेसमैंट ऑपर्चुनिटी का प्लैटफार्म देगा। यूनिवर्सिटी में जॉब फेयर्स और इंटरव्यू ट्रेनिंग भी प्रोवाइड की जाएगी। जोकि छात्रों को एक अच्छा पैकेज पाने में मददगार साबित होगा। रैगुलर मैनेजमैंट एडमिशन कौंसिल (जी.एम.ए.सी.) के अनुसार एक एम.बी.ए. की मेडन स्टार्टिंग सैलरी 1.10 लाख डालर यानि भारतीय मुद्रा में 77 लाख रुपए तक हुआ है। इसके अलावा इस प्रोग्राम के कंपलीट होने पर छात्रों को इसपार की तरफ से वर्क वीजा (तक से तीन साल) भी दिया जाएगा।

प्लेसमैंट में रहा हमेशा सुर्खियों में ए.आई.एम.ई.टी.सी.

ए.आई.एम.ई.टी.सी. जोकि हमेशा से अपनी शानदार प्लेसमैंट के लिए सुर्खियों में रहा है इसका भी अपनी प्लेसमैंट रिकॉर्ड के बनाने में सफल रहा है। अकादमिक सैशन 2018-2020 में कुल 50 से ज्यादा कंपनियों ने कैंपस विजिट किया जिसमें 80-85 फीसदी प्लेसमैंट हर साल होती है। हाईएस्ट पैकेज 10 लाख का सुनिश्चित किया है। तकरीबन एम.बी.ए. और एम.सी.ए. में डिफिन सैक्टर के-एफ.एम.सी.जी., बैंकिंग, रिटेलिंग, फाइनेंस कॉमर्स, इंफोर्मेशन टैक्नोलॉजी, टैलीकम्यूनिकेशन और चार्ट्स स्टूडैंट्स हर साल कम्पनीज कैंपस विजिट करती है और स्टूडैंट्स को चयन करती है। कुछ प्रोमीनैंट कंपनीज इस बाइपुल आई.सी.आई.सी.आई., जाती एजूकेशन, कर्मर पैट्स, एम.आर.एफ., एच.डी.एफ.सी. बैंक, आई.सी.आई.सी.आई. सिक्योरिटीज, विप्रो, आई.बी.एम., स्मार्ट डाटा और इंफोसिस शामिल है। डायरैक्टर डा. राजेश बग्गा ने कहा कि बदलते समय के साथ एजूकेशनल कोर्स और सब्जेक्ट में बदलाव लाने बहुत जरूरी है। छात्रों में सिर्फ डिग्रीयमैंट के साथ-साथ उन्हें इंडस्ट्री रेडी बनाने के लिए एपीजे आई.एम.टी.सी. अपने छात्रों पर जी जान से मेहनत करता है जिसके लिए ई.ई.पी. बहुत अहम भूमिका निभाता है। ई.ई.पी. में छात्रों को अलग-अलग प्रोजैक्ट दिए जाते हैं। इंस्टीच्यूट में प्लेसमैंट प्रोसैस के बीच सैशन भी कराए जाते हैं जिससे कि स्टूडैंट्स प्लेसमैंट के लिए अच्छी तरह तैयार और ज्यादा आत्मविश्वासी बनते हैं।

Dainik Savera 01August 2020

10:48 am ✓